This question paper contains **4+2** printed pages]

आपका अनुक्रमांक.....

7075

B.A. (Hons.)/Programme E

Discipline Centered Concurrent Course

SANSKRIT LITERATURE

Time : 2 *Hours* *Maximum Marks* : 50

(Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.)

Note :— Unless otherwise required in a question, answers should be written in Sanskrit *or* in Hindi *or* in English; but the same medium should be used throughout the paper.

टिप्पणी :— अन्यथा आवश्यक न होने पर इस प्रश्न-पत्र का उत्तर संस्कृत **या** हिन्दी **या** अंग्रेज़ी किसी एक भाषा में दीजिए; परन्तु सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए ।

Note :— The maximum marks printed on the question paper are applicable for the students of the regular colleges (Cat. A). These marks will, however, be scaled up proportionately in respect of the students of SOL at the time of posting of awards for compilation of result.

P.T.O.

Answer *all* questions.

सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिये ।

1. निम्न में से किसी **एक** का अनुवाद कीजिए : 5

Translate any *one* of the following :

(क) इन्द्रियाणां हि चरतां यन्मनोऽनुविधीयते।
तदस्य हरति प्रज्ञां वायुर्नावमिवाम्भसि॥

(ख) देहिनोऽस्मिन्यथा देहे कौमारं यौवनं जरा।
तथा देहान्तरप्राप्तिर्धीरस्तत्र न मुह्यति॥

(ग) प्रजहाति यदा कामान्सर्वान्पार्थ मनोगतान्।
आत्मन्येवात्मना तुष्टः स्थितप्रज्ञस्तदोच्यते॥

2. निम्न में से किसी **एक** की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : 7

Explain any *one* of the following with reference to the context :

(क) अकीर्तिं चापि भूतानि कथयिष्यन्ति तेऽव्ययाम्।
सम्भावितस्य चाकीर्तिर्मरणादतिरिच्यते।

(ख) विहाय कामान्यः सर्वान् पुमांश्चरति निःस्पृहः।

निर्ममो निरहङ्कारः स शान्तिमधिगच्छति॥

3. श्रीमद्भगवद्गीता के द्वितीय अध्याय का सार संक्षेप में प्रस्तुत कीजिए। 8

Write down the summary of second chapter of श्रीमद्भगवद्गीता.

अथवा

(Or)

श्रीमद्भगवद्गीता के द्वितीय अध्याय के अनुसार स्थितप्रज्ञ की विशिष्टताओं को स्पष्ट कीजिए।

Clarify the characteristics of "स्थितप्रज्ञ" as described in second chapter of श्रीमद्भगवद्गीता.

4. निम्न में से किसी **एक** का अनुवाद कीजिए : 5

Translate any *one* of the following :

(क) रुपश्रिया समुदितां गुणतश्च युक्तां

लब्ध्वा प्रियां मम तु मन्द इवाद्य शोकः

पूर्वाभिघातसरुजोऽप्यनुभूतदुःखः

पद्मावतीमति तथैव समर्थयामि।

(ख) अनाहारे तुल्यः प्रततरुदितक्षामवदनः

शरीरे संस्कारं नृपतिसमदुःखं परिवहन्।

दिवा वा रात्रौ वा परिचरति यत्नैर्नरपति-

र्नृपः प्राणान्सद्यस्त्यजति यदि तस्याप्युपरमः॥

5. निम्न में से किसी **एक** की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

Explain any *one* of the following with reference to the context :

(क) सविश्रमो ह्ययं भरः प्रसक्तस्तस्य तु श्रमः।

तस्मिन् सर्वमधीनं हि यत्राधीनो नराधिपः॥

(ख) कातरा येऽप्यशक्ता वा नोत्साहस्तेषु जायते।

प्रायेण हि नरेन्द्रश्रीः सोत्साहैरेव भुज्यते॥

6. ''स्वप्नवासवदत्तम्'' नाटक के अनुसार पद्मावती का चरित्रचित्रण कीजिए। 8

Draw character sketch of Padmavati in ''स्वप्नवासवदत्तम्''.

अथवा

(Or)

नाटककार भास की नाट्यकला पर एक लघु टिप्पणी लिखिये।

Write a short note on the Natyakala of Natakkar Bhasa.

7. किन्हीं दो में सन्धिविच्छेद कीजिए : 5

Disjoin Sandhi in any *two* of the following :

पद्मावतीमपि, शरणमन्विच्छ, भोगैश्वर्यगतिम्, नैवार्थैनापि, बद्धमूलोऽनुरागः।

8. निम्न में से किन्हीं दो रेखांकित शब्दों में विभक्ति निर्देश कीजिए : 5

Describe the case ending in any *two* of the following underlined words :

(क) कुतस्त्वया कश्मलमिदं विषमे समुपस्थितम्।

(ख) देहिनोऽस्मिन् यथा देहे कौमारं यौवनं जरा।

(ग) रागद्वेषवियुक्तैस्तु विषयानिन्द्रियैश्चरन्।

(घ) धीरस्याश्रमसंश्रितस्य वसतस्तुष्टस्य वन्यैः फलै।